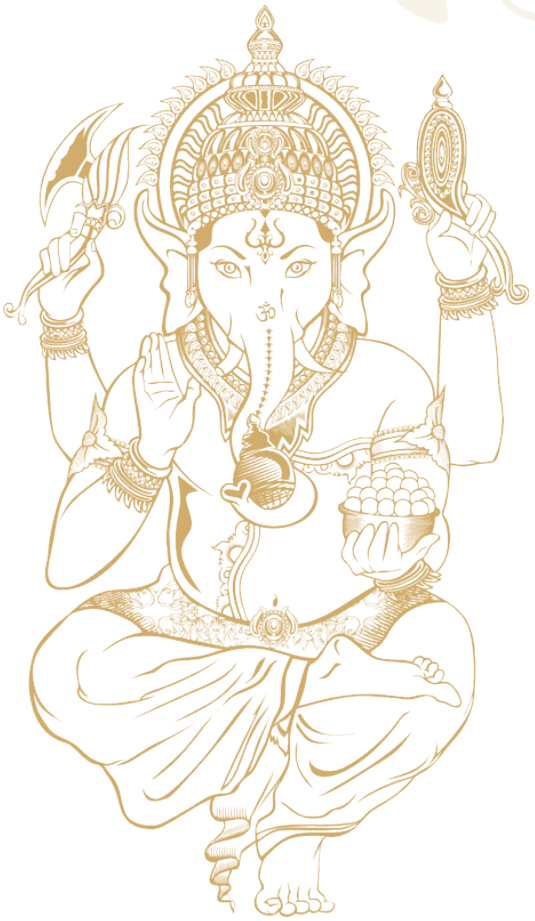

Mr. Devnarayan Choudhary

28 Dec 2025

12:30 PM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120888902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/12/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	13:26:44 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:01:36 घंटे
वेलान्तर	-00:01:33 घंटे
साम्पातिक काल	18:29:37 घंटे
सूर्योदय	07:07:18 घंटे
सूर्यास्त	17:52:56 घंटे
दिनमान	10:45:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:34:08 धनु
लग्न के अंश	15:35:54 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:35:54	476:06:41	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			धनु	12:34:08	01:01:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मीन	18:50:15	13:48:59	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	15:37:46	00:45:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	28:48:54	01:30:10	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:36:48	00:07:36	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	10:19:07	01:15:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मीन	01:44:25	00:03:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:02:23	00:00:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:02:23	00:00:31	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:50:03	00:01:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:14:35	00:00:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:23:12	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	12:34:49	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

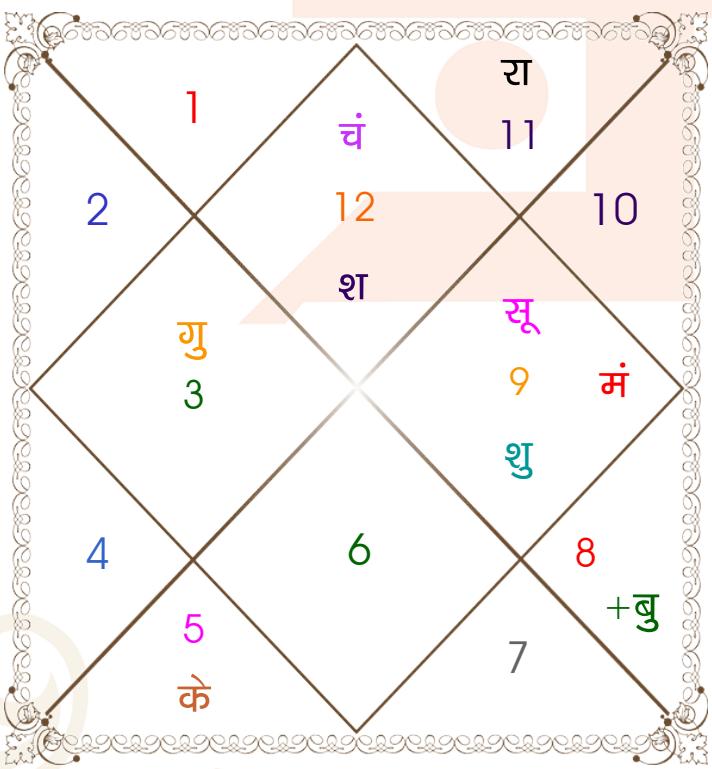

चन्द्र कुंडली

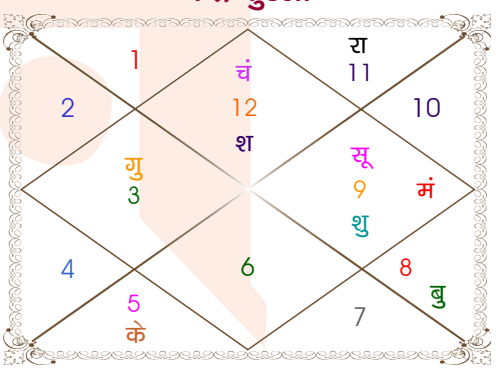

नवमांश कुंडली

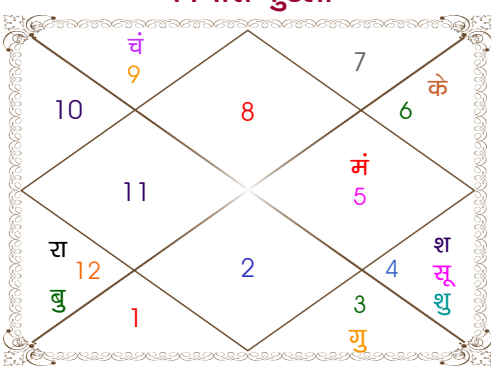

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 2 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/12/2025		22/03/2040		23/03/2047		23/03/2067		23/03/2073	
22/03/2040		23/03/2047		23/03/2067		23/03/2073		23/03/2083	
	28/12/2025	केतु	18/08/2040	शुक्र	23/07/2050	सूर्य	11/07/2067	चंद्र	21/01/2074
केतु	16/08/2026	शुक्र	19/10/2041	सूर्य	23/07/2051	चंद्र	09/01/2068	मंगल	22/08/2074
शुक्र	16/06/2029	सूर्य	23/02/2042	चंद्र	23/03/2053	मंगल	16/05/2068	राहु	21/02/2076
सूर्य	22/04/2030	चंद्र	25/09/2042	मंगल	23/05/2054	राहु	10/04/2069	गुरु	22/06/2077
चंद्र	22/09/2031	मंगल	21/02/2043	राहु	22/05/2057	गुरु	27/01/2070	शनि	21/01/2079
मंगल	18/09/2032	राहु	10/03/2044	गुरु	21/01/2060	शनि	09/01/2071	बुध	22/06/2080
राहु	07/04/2035	गुरु	14/02/2045	शनि	23/03/2063	बुध	15/11/2071	केतु	21/01/2081
गुरु	13/07/2037	शनि	26/03/2046	बुध	21/01/2066	केतु	22/03/2072	शुक्र	21/09/2082
शनि	22/03/2040	बुध	23/03/2047	केतु	23/03/2067	शुक्र	23/03/2073	सूर्य	23/03/2083

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/03/2083		23/03/2090		23/03/2108		23/03/2124		24/03/2143	
23/03/2090		23/03/2108		23/03/2124		24/03/2143		00/00/0000	
मंगल	19/08/2083	राहु	03/12/2092	गुरु	12/05/2110	शनि	27/03/2127	बुध	20/08/2145
राहु	06/09/2084	गुरु	29/04/2095	शनि	22/11/2112	बुध	04/12/2129	केतु	29/12/2145
गुरु	13/08/2085	शनि	05/03/2098	बुध	28/02/2115	केतु	13/01/2131		00/00/0000
शनि	21/09/2086	बुध	22/09/2100	केतु	04/02/2116	शुक्र	15/03/2134		00/00/0000
बुध	19/09/2087	केतु	10/10/2101	शुक्र	05/10/2118	सूर्य	25/02/2135		00/00/0000
केतु	15/02/2088	शुक्र	10/10/2104	सूर्य	24/07/2119	चंद्र	25/09/2136		00/00/0000
शुक्र	16/04/2089	सूर्य	04/09/2105	चंद्र	22/11/2120	मंगल	04/11/2137		00/00/0000
सूर्य	22/08/2089	चंद्र	06/03/2107	मंगल	29/10/2121	राहु	10/09/2140		00/00/0000
चंद्र	23/03/2090	मंगल	23/03/2108	राहु	23/03/2124	गुरु	24/03/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।